



बारिश और खूबसूरत चाची

“बारिश हम दोनों के बदन को गीले कर चुकी थी लेकिन तब भी मैं चाची के बदन की गर्मी महसूस कर रहा था! मेरे हाथ उनको संभाले हुए थे, हमारे बदन एक दूसरे से सटे हुए थे!...”

Story By: Antarvasna अन्तर्वासना (antarvasna)

Posted: Friday, November 3rd, 2006

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [बारिश और खूबसूरत चाची](#)

बारिश और खूबसूरत चाची

वक्त इंसान से कुछ भी करवा सकता है! इस बात का अंदाजा मुझे अभी कुछ दिनों पहले ही हुआ है!

मैं तेईस वर्षीय युवक हूँ!! अविवाहित हूँ तो शायद इसीलिए दिमाग में हमेशा एक ही चीज़ रहती है- सेक्स!!

मैं 18 साल का था जब मेरे सबसे छोटे चाचा की शादी हुई! मुझे शायद इस शादी से कोई फर्क नहीं पड़ता अगर मेरी चाची इतनी खूबसूरत और गठीली न होती! उनके आते ही सारे परिवार में उनकी खूबसूरती के चर्चे तेजी से फैलने लगे थे!!

मुझे आज भी याद है कि कैसे मैं उन्हें देखकर उनके बारे में सोचता रहता था 'किस तरह मैं उनका चुम्बन करूँगा, वो बिना कपड़ों के कैसी लगेंगी, अगर मैं उनकी नंगी कमर पर हाथ रखूँगा तो वो क्या करेंगी..' वगैरा वगैरा... इन्हीं सब ख्यालात के साथ मैं हमेशा चाची के बारे में सोचता रहता था।

इन सभी बातों को अब काफी अरसा बीत चुका है और इस दौरान चाची की ज़िन्दगी में कुछ ऐसा हो गया जो नहीं होना चाहिए था!! इतनी खूबसूरत बीवी मिलने के बावजूद चाचा किसी और के चक्कर में लग गए और चाची और अपनी छोटी बेटी को छोड़कर चले गए!! यह बात कुछ महीने पहले की ही है!!

यह सब होने के बाद चाची और उनकी बेटी की ज़िम्मेदारी मेरे पापा ने उठाई और उन्हें अपने साथ रहने के लिए कहा!! चाची जी को हमारे घर का ऊपर वाला कमरा दे दिया गया!! इस दौरान कभी मेरे दिमाग में ऐसा कोई ख्याल नहीं आया कि मैं चाची के साथ ऐसा कुछ करूँ!!

लेकिन अभी कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में बहुत तेज़ बारिश हुई. पापा बिज़नेस के काम से बाहर गए हुए थे और माँ भी नानी के घर पर थी. चाची की बेटी भी स्कूल में थी !
ऐसे में मैं घर पर अकेला था, न जाने क्यों मेरा दिल हुआ कि आज बारिश में नहाया जाए !
मैं नहाने के छत पर पहुंचा तो देखा चाची भी बारिश के मज़े ले रही थी. न जाने क्यों मेरी नज़र उनके पेट पर गई, जो कि कपड़े गीले होने बाद साफ़ नज़र आ रहा था. शायद मेरे खयालात थोड़े बदल से रहे थे.

मुझे देखते ही चाची ने अपने आपको थोड़ा संभाला और कहा- काफी दिनों बाद इतनी अच्छी बारिश हुई है !
मैंने पूछा- आपको शायद बहुत अच्छा लगता है बारिश में नहाना !!
तो उन्होंने कहा- हाँ नहाना भी, बारिश में नाचना भी..

इस बात पर मैंने हंसते हुए बारिश का कुछ पानी उनके मुँह पर फैंका तो उन्होंने भी बदला लेने के लिए ऐसा ही किया.. देखते ही देखते हम दोनों एक दूसरे के साथ बारिश में ही खेलने लगे । फिर ना जाने कैसे अचानक चाची का पाँव फिसला और वो सीधी मेरे ऊपर आकर गिरी !! उन्हें गिरने से बचाने के लिए मैंने अपने दोनों हाथों से उन्हें पकड़ना चाहा तो मेरे हाथ उनकी कमर पर रुके लेकिन हम दोनों ही नीचे गिर पड़े !

चाची मेरे ऊपर थी और मेरे हाथ उनकी कमर पर, वो लम्हा मेरी ज़िन्दगी का सबसे मुश्किल लम्हा था !! पता नहीं क्यों मेरे हाथों ने कमर पर से हटने की बजाय अपनी पकड़ और मज़बूत कर ली ! हम दोनों की आँखें एक दूसरे की आँखों में ही देख रहे थे और मुझे उन आँखों में कोई रुकावट नज़र नहीं आ रही थी ! शायद इसीलिए मैंने उनकी नंगी गर्दन पर चूम लिया !!

वो थोड़ा घबराई और उठने की कोशिश करने लगी, मगर मेरी पकड़ काफी मज़बूत थी, मैंने एक करवट ली और अब मैं उनके ऊपर था । यह सब कुछ खुली छत पर तेज़ बारिश में हो

रहा था!!

बारिश का पानी हम दोनों के बदन को गीला कर चुका था.. लेकिन तब भी मैं उनके बदन की गर्मी को महसूस कर सकता था! मेरी आँखें उनकी आँखों में ही देख रही थी, मेरे हाथ उनके दोनों हाथों को संभाले हुए थे, मेरे पैर उनके पैरों में लिपटे हुए थे, हम दोनों के बदन एक दूसरे से सटे हुए थे!

मैंने उन्हें और चूमना शुरू किया, उनकी गर्दन पर, उनके होठों पर... अब उनका ऐतराज करना भी बंद हो चुका था, लेकिन वो खामोश ही थी!

मेरे हाथों ने उनके बदन पर चलना शुरू किया, मेरा एक हाथ उनके पेट पर था और दूसरा उनकी गर्दन पर!! तभी मैंने अपने हाथ से उनकी सलवार के कमरबंद को ढीला कर दिया और उनकी सलवार को बदन से अलग कर दिया!!

उनकी केले जैसी चिकनी जांघ देखकर मैं पागल सा होने लगा था, मैंने उन्हें चूमना शुरू कर दिया और तभी मैंने चाची की पहली कराह सुनी- आआआ अह्ह्ह्ह!!

वो अपने हाथ से मेरे सिर को पीछे धकेलने लगी.. मैंने दोनों जाँघों को हाथ में पकड़ कर कमर पर चूमना शुरू किया और धीरे धीरे उनकी कमीज को भी उतार दिया!

अब एक ऐसा नज़ारा मेरे सामने था जिसके लिए मैंने हजारों मन्नत की थी.. चाची का गोरा चिकना गठीला बदन मेरी आँखों के सामने था और वो भी उस हालत में जिसमें मैं सिर्फ सोच सकता था.. उन्होंने अपनी आँखों को बंद कर लिया!

उन्होंने काली ब्रा और पेंटी पहनी हुई थी.. जोकि उनके गोरे बदन के ऊपर और भी खूबसूरत लग रही थी।

मैंने उनकी छाती पर हाथ फेरना शुरू किया और उनकी कड़क चूचियों को दबाने लगा.. अब शायद उन्हें आजाद करने का समय आ गया था। मैंने उनकी ब्रा का हुक खोल कर उन्हें भी आजाद कर दिया..

उनकी चूचियों को देखकर मैं मदहोश सा हो रहा था.. मैंने उन्हें चूसना शुरू किया तो चाची सिसक उठी.. उनकी सिसकियाँ अब तेज़ होती जा रही थी !! उनकी आआआ आआआह्ह ह्ह्ह आआआ अह्ह्ह सुनकर मुझे एक अलग सी ताकत मिल रही थी !!

मेरे हाथ उनके पूरे बदन पर चल रहे थे.. और तभी मैंने हाथ उनकी पेंटी के अन्दर घुसा दिया और वो जैसे पागल सी हो गई..

मेरी एक उंगली ने उनकी पेंटी के अन्दर हरकत शुरू कर दी थी.. उनके दोनों हाथ मेरी कमर को खरोंच रहे थे..

अब तक उन्होंने भी मुझे कपड़ों से अलग कर दिया था और मेरे बदन पर सिर्फ मेरा अंडरवियर ही बचा था !

तभी उन्होंने अपने नाज़ुक हाथों से मेरे लण्ड को पकडा और उसे सहलाने लगी.. मैं पागल हो रहा था..

यह सभी कुछ हम बारिश में गीली छत पर ही कर रहे थे और मुझे लगा काम को आखिरी अंजाम देने के लिए हमें बेड पर जाना ही पड़ेगा..

मैंने चाची को उसी हालत में उठाया और अंदर उनके कमरे के बेड पर लिटा दिया.. वो बुरी तरह सिसक रही थी.. लेटते ही मैंने उन्हें बुरी तरह चाटना शुरू किया और एक झटके में उनकी पेंटी उतार दी.. मैंने उन्हें जोर से जकड़ लिया..

उनकी चूचियों को मसलते हुए मैंने अपना लण्ड उनकी दरार में घुसा दिया.. वो थोड़ा सा चिल्लाई, मगर फिर अपने आपको सँभालते हुए उनके हाथों ने मेरे चूतडों को दबाना शुरू किया!

उनकी इस हरकत से मुझे काफी जोश मिला और मैंने झटके लगाने और तेज़ कर दिए.. झटके लगाते लगाते वो मुझे काट रही थी, मुझे जकड़ रही थी.. सिसकियाँ ले रही थी.. मैंने भी बुरी तरह से उनकी चूचियों को मसलना शुरू कर दिया..

वो बिल्कुल पागल हो चुकी थी.. बार बार अपनी गांड उचका रही थी..

मैं खड़ा हो गया और उन्हें गोदी में लेकर चोदने लगा.. वो भी उछल उछल कर मेरा पूरा साथ दे रही थी.. और लगभग पाँच मिनट बाद मेरा ज्वालामुखी फूटा और उनकी दरार ने भी पानी छोड़ दिया.. हम लोग नन्गे बदन काफी देर तक एक दूसरे के ऊपर पड़े रहे.. और चूमते रहे..

चाची की चूत चुदाई का यह सिलसला आज भी जारी है..
वसीम सैफ़

Other stories you may be interested in

जीजा ने मुझे रंडी बना दिया-7

कहानी पिछले भाग में मैंने बताया था कि मेरे जीजा अपने सेठ दोस्तों को लेकर मेरे घर में आ गये थे. मां उनको खाना खिलाने के लिए चली गई थी. जीजा ने रूम की कुंडी लगा ली और मेरे ऊपर [...]

[Full Story >>>](#)

सहेली के भाई ने दीदी की बुर चोदी-3

आपने अब तक की मेरी इस सेक्स कहानी में पढ़ा था कि दीदी अपनी सहली श्वेता और साकेत भैया के साथ एक होटल में गई थी. मैं भी उन सभी के साथ था. होटल में साकेत भैया ने दीदी की [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड की बहन की कामवासना-3

मेरी नज़र आशा के रूम में गयी उसके कमरे की लाइट जल रही थी. मैं खिड़की के पास गया तो देखा वो उसका वाशरूम था. मैंने देखा कि आशा ने काला ब्लाउज और पेटिकोट पहना था वो कमोड पर बैठ [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बीवी की उलटन पलटन-6

मेरी इस सेक्सी कहानी के पहले पांच भागों में पढ़ा कि मैं क्रॉस ड्रेसर हूँ, लड़की बन कर रहना पसंद करता हूँ, मेरी शादी हो चुकी है लेकिन मेरी बीवी और उसका यार मुझे अपनी पत्नी और गुलाम की तरह [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी हॉट दीदी की अन्तर्वासना-2

अभी तक की मेरी बहन की इस सेक्स कहानी में आपने जाना कि मेरी दीदी मामा के घर रह रही थी. दीदी वहां भी मेरी सेक्स गुलाम बनी हुई थी. उधर मामी की लड़की इशिता को नशे की लत थी. [...]

[Full Story >>>](#)

